Visiting Record

श्रद्धालओ की कलम से

अब तक आश्रम में आए सभी सम्मानित, श्रद्धेय श्रद्ध लुओं के भाव, विचार, श्रद्ध और भक्ति को नमन करते हुए आपके द्वार व्यक्त भावों का अंश आश्रम द्वार प्रक शित पुस्तक में दिया जा रह है।

—अमरनाथ तिवारा ,

आश्रम संरक्षक।

पूजनीय पवहारी बाबा के आश्रम में आकर हार्दिक प्रसन्नता हुई। वर्षों की मनोकामना प्रभुकृपा से आज पूर्ण हुई। स्वामी विवेकानन्द की रचनाओं में बाबा का अत्यन्त भक्तिपूर्वक उल्लेख अनेक स्थानों पर हुआ है। विवेकानन्द जी की रचनाओं के पाठ के समय से ही यहाँ आना चाहता था। आज आकर बाबा के द्वारा पूजित प्रभु विग्रहों के दर्शन किये, उनकी गुफा का [illegible], उनके आश्रम की परिक्रमा की, जीवन धन्य हो गया।

बाबा की कृपा बनी रहे, यही प्रार्थना कर रहा हूँ।

[illegible]

२५-६.०४

पवहारी बाबा के पवित्र स्थल, कर्मस्थली, धर्मस्थली पर आकर नई आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त हुई

यह स्थान अत्यन्त धार्मिक प्रेरणा देता है।

20/1/23

पवहारी बाबा की पावन स्थली में आज दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कर्मसाधना में निरन्तर रत सिद्ध योगी ने देश-काल को एक नई दिशा दी थी। कोटि-कोटि नमन।

20/01/2023

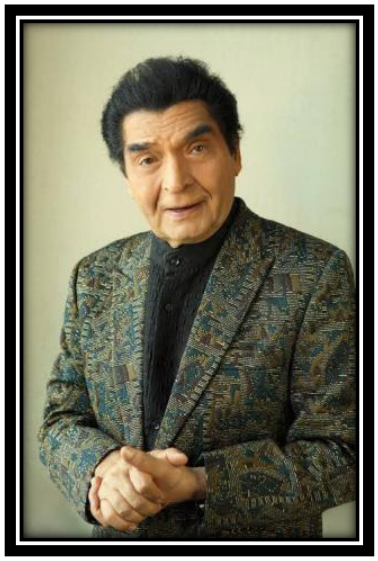

स्वामी विवेकानन्द से प्रेरित होकर
पावहारी बाबा के दर्शन आज यहाँ
हुए, जीवन धन्य हो गया।
बाबा को बहुत-बहुत प्रणाम और
नतमस्तक होकर उनकी छवि हृदय
में लेकर जा रहा हूँ.

असरानी

राजेन्द्र

4th Nov. 2004

[illegible] 4/11/04

No. Date 29-8-04.

परम पूज्य पवहारी बाबा की पुण्य तपस्थली का दर्शन पाने का सौभाग्य आज पूरा हुआ। स्वामी विवेकानन्द और बाबा के इस तपस्थली पर हुए सन्त मिलन, आध्यात्मिक मिलन का प्रसंग पुजारी श्री अमरनाथ तिवारी जी के वर्णन से सजीव हो उठा।

बाबा द्वारा तत्समय प्रयुक्त विग्रहों का दर्शन किया। उनकी गुफा, समाधि, हवनकुण्ड आदि का दर्शन कर मन विभोर हो उठा। उनके हस्तलिखित ग्रन्थ – श्रीमद् भागवत एवं श्रीमद् भागवत गीता, और उनपर अंकित दिव्य चित्रकारी मनमोहक है। परिसर का भ्रमण किया।

भूमि के सूक्ष्म आध्यात्मिक संस्कार मन को बरबस आकर्षित करते हैं। अद्भुत शान्ति है यहाँ! बार-बार आने का मन करेगा।

परमपूज्य बाबा की सतत् कृपा बनी रहे। भारतभूमि का शीघ्र अभ्युदय हो, ऐसी बाबा से सविनय प्रार्थना है।

29.8.04
(एस. एन. उपाध्याय)
आई. पी. एस.
सेनानायक,
36वीं वाहिनी पी. ए. सी.
रामनगर, वाराणसी.

No.

• बचपन से संजोई हुई इच्छा आज इस पवित्र पवहारी बाबा धाम में आकर पूर्ण हुई। मैं भावविभोर हूँ। कृतार्थ हो गया हूँ। भारतीय संस्कृति को विश्व में कीर्तिमान करने वाले स्वामी विवेकानन्द तथा पवहारी बाबा के अनेक संस्मरण मन को उद्वेलित कर रहे हैं। यह स्थान एक तीर्थ के रूप में विकसित हो ऐसी प्रभु से प्रार्थना है।

देवेन्द्र प्रताप सिंह
कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद।
21.02.05

07.08.05

काफी अरसे से मन में पल रही इच्छा की आज पूर्ति हुई. अपने पूज्य पिताजी से बाबा के चमत्कारिक अद्भुत व्यक्तित्व के सम्बन्ध में बचपन में बहुत कहानियाँ सुना करता था. मन में एक अभिलाषा थी कि इस पावन भूमि का दर्शन करूँ जहाँ ऐसे सिद्ध पुरुष रहकर आराधना करते थे. आज बाबा की कर्मस्थली, समाधि स्थली, उनके द्वारा पूजित भगवान के विग्रह स्वरूप एवं गुफा का दर्शन पाकर स्वयं को अत्यंत सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूँ. मैं समझता हूँ कि बाबा के व्यक्तित्व के सम्बन्ध में और प्रचार- प्रसार होना चाहिए जिससे गाजीपुर से गुजरने वाले या यहाँ ठहरने वाले बुद्धिजनों को इस सिद्ध स्थली, जो माँ गंगा के पावन तट पर एक रमणीक स्थान है, का दर्शन प्राप्त हो सके एवं वे यहाँ से बाबा की समदृष्टि का गंगा अपने जीवन के लिए ले जा सकें.

सादर,

07/08/05

दुर्गाशंकर मिश्र
संयुक्त सचिव (वि.)
गृह मंत्रालय, भारत सरकार
नयी दिल्ली

1st Jan 2006

No. Date

पवहारी बाबा की सादर चरण पादुका स्पर्श कर जीवन धन्य हुआ।

बाबा आपसे यही प्रार्थना है कि हम सब भारत के नागरिक मिलकर आपके आशिर्वाद से इस देश जो कि आप जैसे सपूतों की जननी है के लिए अपने जीवन को अच्छे कार्य करते हुए अर्पण कर सकें।

नीलम सिंह
Designer.
Kathmandu Nepal.

ॐ Date- 16/04/06

नमो भगवते रामकृष्णाय
नमो पवहारीबाबात्यागमूर्तये

पृथ्वी पर कभी कभी महान संतो का अवतरण होता है और उन सन्तो का आशीर्वाद कभी कभी बहुत ही सहज तथा उपलब्ध होते हुए भी मनुष्य अपने आप जड़वाद से युक्त होने के कारण प्राप्त नही कर पाता, फिर भी सन्त समभाव से सबको सदा के लिए आशीर्वाद, आनन्द और अज्ञान-निवृत्ति ही करते रहे हैं। मनुष्य की मनुष्यता इसी में है कि वह विनीत भाव से शरणागत होकर उन महान सन्तो से भक्ति के लिए प्रार्थना करे जिनमे से वैष्णव संत शिरोमणि पवहारी बाबा एक और अद्वितीय थे।

स्वामी आद्यानन्द
स्वामी आद्यानन्द
रामकृष्ण मठ, चामराजपेट
बैंगलोर - 19
☏ - 080-26613149.

नारदजी कहतें हैं "तीर्थीकुर्वन्ति तीर्थाणि"। इस गाँव में रहकर अपने साधन में एकनिष्ठ होके अपने और सारी दुनिया में उसी परमात्मा का दर्शन करते हुए सन्तश्रेष्ठ पवहारीबाबाजी ने इस गाँव को तीर्थभूमि बना दिए। अब हम भक्त लोगों का यह सौभाग्य है कि हम इस तीर्थभूमि में आकरके यहाँ के भक्तिमकरन्द को मनचाह पान करें और धन्य हो जाय

इति श्रीरामकृष्णचरणों में मेरी
यह विनति

स्वामी करुणाकरनन्द
श्रीरामकृष्ण विद्याशाला
यादवगिरि, मैसूरु, कर्नाटक
- 570020
फो :- 0821-2417555, 2514000